

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4369
19 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: सोयाबीन और मक्का का उत्पादन

4369. श्री कौशलेन्द्र कुमार:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सोयाबीन और मक्का का उत्पादन देश की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर रहा है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार अमेरिका से सोयाबीन और मक्का के आयात पर विशेष छूट देने का विचार रखती है;
(घ) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) क्या सोयाबीन और मक्का के आयात से भारतीय किसानों को नुकसान पहुँचने की संभावना है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) और (ख): देश ने वर्ष 2024-25 में सोयाबीन के संदर्भ में 151.80 लाख टन रिकॉर्ड उत्पादन और मक्के के संदर्भ में का 422.81 लाख टन उत्पादन (तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार) प्राप्त किया, जो वर्ष-दर-वर्ष क्रमशः 21.18 लाख टन और 46.16 लाख टन की वृद्धि दर्शाता है। वर्ष 2014-15 से 2024-25 के दौरान, सोयाबीन उत्पादन में 46.32% (103.74 से 151.80 लाख टन) वृद्धि हुई, जबकि मक्का उत्पादन में 74.91% (241.73 से 422.81 लाख टन) वृद्धि हुई। सोयाबीन और मक्का उत्पादन के रुझान के आँकड़े अनुबंध । में दिए गए हैं।

देश में खाद्य तेलों का घरेलू उत्पादन बढ़ती घरेलू मांग की पूर्ति करने के लिए अपर्याप्त है और देश को आयात पर निर्भर रहना पड़ता है, जो इसकी कुल आवश्यकता का लगभग 55% है। तिलहन (सोयाबीन सहित) में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन- तिलहन (एनएमईओ-ओएस) ने तिलहन उत्पादन को वर्ष 2024-25 के 42.6 मिलियन टन (तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार) से बढ़ाकर वर्ष 2030-31 तक 69.7 मिलियन टन करने के लिए 10,103.38 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

भारत आमतौर पर मक्का का निवल निर्यातक रहा है। तथापि, वर्ष 2024-25 में भारत का मक्का निर्यात न्यूनतम रहा, जो इसके सामान्य निर्यातक स्थिति में एक अपवाद है।

(ग) और (घ): भारत सरकार, संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार के साथ भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चर्चा में सक्रिय रूप से शामिल है, जिसका उद्देश्य व्यापार और निवेश का विस्तार करना और भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रगाढ़ बनाना है ताकि निष्पक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और रोज़गार सुनिश्चित करते हुए विकास को बढ़ावा दिया जा सके। वर्तमान चर्चाएँ, पारस्परिक रूप से बाज़ार पहुँच बढ़ाकर, टैरिफ़ और गैर-टैरिफ़ बाधाओं को कम करके, और आपूर्ति शृंखला एकीकरण को मजबूत करके द्विपक्षीय व्यापार को सशक्त और प्रगाढ़ किए जाने के एकीकृत दृष्टिकोण पर केंद्रित हैं।

इसके अतिरिक्त, अमेरिका सहित हमारे अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ व्यापार समझौतों पर चर्चा के दौरान हमारे किसानों के आजीविका हित और खाद्य सुरक्षा की आवश्यकताएं सरकार के लिए सदैव सर्वोपरि रही हैं।

(ड): प्रत्येक वर्ष, केंद्र सरकार, किसानों को उनकी उपज के लिए उचित मूल्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों और केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के अभिमतों पर विचार करने के पश्चात् कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर 22 अधिसूचित कृषि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) निर्धारित करती है। इन 22 अधिसूचित कृषि फसलों में सोयाबीन और मक्का शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, भारत सोयाबीन और मक्का उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करता है, जिनमें राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन- तिलहन (एनएमईओ-ओएस) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) प्रमुख हैं। इन पहलों का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण बीजों की आपूर्ति, उन्नत कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित करने और किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने सहित कई कार्यनीतियों को अपनाकर कृषि क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएफडब्ल्यू)
अखिल भारत: फसलवार उत्पादन

स्रोत: डीएएफडब्ल्यू
उत्पादन लाख टन में

फसल	सीजन	उत्पादन										
		2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
मक्का	खरीफ	170.14	160.53	189.19	201.18	194.14	194.29	215.55	226.81	236.74	222.45	248.43
	रबी	71.59	65.14	69.81	86.34	83.02	93.37	100.92	110.49	116.90	120.28	136.16
	ग्रीष्म									27.21	33.92	38.22
	कुल	241.73	225.67	259.00	287.53	277.15	287.66	316.47	337.30	380.85	376.65	422.81
सोया बीन	खरीफ	103.74	85.70	131.59	109.33	132.68	112.26	126.10	129.87	149.85	130.62	151.80
	कुल	103.74	85.70	131.59	109.33	132.68	112.26	126.10	129.87	149.85	130.62	151.80

वर्ष 2024-25 के आंकड़े तीसरे अग्रिम अनुमान के हैं।